

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रस्तावार्ण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 331]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 28, 1975/भाद्र 6, 1897

No. 331]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 28, 1975/BHADRA 6, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

### ORDER

New Delhi, the 28th August 1975

**S.O. 455(E).**—Whereas the industrial undertaking known as M/s. Britannia Engineering Company, Calcutta (Titagarh Unit) in the State of West Bengal is engaged in the Scheduled Industries, namely, Railway Rolling Stock and Tea Machinery;

And whereas the Company owning the said industrial undertaking, namely, the Britannia Engineering Company Limited is being wound up by the Calcutta High Court;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary in the interests of the general public and in particular, in the interests of production, supply and distribution of articles relating to the concerned scheduled industries, to investigate into the possibility of re-starting the said industrial undertaking;

And whereas on an application made by the Central Government under section 15A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), to the Calcutta High Court praying for permission to make an investigation into such possibility, the Calcutta High Court has granted the permission;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Heavy Industry) No. S.O. 231(E) dated the 26th May, 1975 the Central Government hereby appoints, for the purpose of making an investigation into the possibility of re-

(1963)

starting the aforesaid Industrial undertaking, a body of persons consisting of :

*Chairman*

- (i) Shri C. R. Guha Majumdar, Secretary to the Government of West Bengal, Closed and Sick Industries, Department, Calcutta.

*Members*

- (i) Shri R. J. Shahaney, Managing Director, Jessops and Company Limited, Calcutta.  
(ii) General R. N. Sen, Managing Director, Braithwaites and Company (I) Limited.  
The above body shall submit its report by the 31st August, 1975.

[No. F.4/19/73-CUC.]

K. SAXENA, Jt. Secy.

**उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय**

**(औद्योगिक विकास)**

**आदेश**

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1975

का० आ० 455 (अ).—पश्चिमी बंगाल राज्य में मेसर्स ब्रिटैनिया इंजीनियरिंग कम्पनी, कलकत्ता (टीटागढ़ यूनिट) के नाम से शीत औद्योगिक उपक्रम अनुसूचित उद्योग अर्थात् रेलवे रोलिंग स्टॉक और चाय मशीन में लगा है।

और उक्त औद्योगिक उपक्रम, अर्थात् ब्रिटैनिया इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी का कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा परिसमापन किया जा रहा है ;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में, विशेषकर सम्बद्ध अनुसूचित उद्योगों से सम्बन्धित वस्तुओं के उत्पादन, पूर्ति और वितरण के हितों में, उक्त औद्योगिक उपक्रम के पुनः आरम्भ करने की संभावना की जांच करने की आवश्यकता है ;

और केन्द्रीय सरकार द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15क के अधीन कलकत्ता उच्च न्यायालय को, ऐसी संभावना की जांच करने की अनुज्ञा के लिए प्रार्थना करते हुए, आवेदन किये जाने पर, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने अनुज्ञा दे दी है ;

अतः, अब, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 231 (अ) तारीख 26 मई, 1975 को अधिक्रान्त करते हुए, केन्द्रीय सरकार, पूर्वोक्त औद्योगिक उपक्रम के पुनः आरम्भ करने की संभावना की जांच करने के प्रयोजनार्थ एक निकाय नियुक्त करती है जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे।

**अध्यक्ष**

- (i) श्री सी० आर० गुहा मजूमदार, सचिव, पश्चिमी बंगाल सरकार, बन्द और रुग्ण उद्योग विभाग, कलकत्ता।

**संक्षेप**

- (i) श्री आर० जे० शहानी, प्रबन्ध निदेशक, जेसप्स एण्ड कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता ।  
(ii) जनरल आर० एन० सेन, प्रबन्ध निदेशक, ब्रेयवेल्स कम्पनी (1) लिमिटेड ।  
उपर्युक्त निकाय 31 अगस्त, 1975 तक अपनी रिपोर्ट देगा ।

[सं० फा० 4/19/73-सी०यू०सी०]

डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव ।

